समास संक्षिप्तीकरण

समास के भेद

1. अव्ययी भाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. द्विगुसमास
4. द्वन्द्वसमास
5. कर्मधारय
6. वहुब्रीह समास

अव्ययी भाव समास -

पहला पद - अव्यय अर्थात उपसर्ग होता है

दूसरा पद - संज्ञा

उदाहरण - आजन्म - जीवन पर्यन्त

आ - उपसर्ग की प्रधानता होती है

जन्म – संज्ञा

1. ट्रिक - यदि किसी शब्द में आ, प्रति, बे, बा, ब, यथा, अनु, आदि उपसर्ग आते हैं

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

उदाहरण - प्रतिदिन - प्रत्येक दिन

बेशर्म - बिना शर्म के

बाकलम - कलम के साथ

बदस्तूर - दस्तूर के साथ

यथा शक्ति - शक्ति के अनुसार

अनुकूल - इच्छा के अनुसार

2. किसी शब्द की आवृत्ति के कारण बना समस्त पद अव्ययी भाव समास कहलाता है

उदाहरण – हाथों - हाथ, दिनों - दिन, दर - दर, गली – गली इत्यादि|

तत्पुरुष समास -

परिभाषा - पहला पद - कारक (कर्ता कारक व सम्बोधन कारक का आभाव होता है)

दूसरा पद - विशेषण

पहचान - कारक के बाद विभक्तियों का प्रयोग होता है | ये विभक्तियाँ अदृश्य होती हैं|

1. कर्म कारक – माखनचोर = माखन को चुराने वाला

2. करण कारक - नेत्र हीन = नेत्रों से हीन

OBLYPREPS

3. सम्प्रदान कारक – शिवर्पण = शिव को अर्पण

4. अपादान कारक - बंधन मुक्त = बंधन से मुक्त

5. सम्बन्ध कारक - सूर्योदय = सूर्य का उदय

6. अधिकरण - आप बीती = आप पर बीती

द्विगु समास -

पहला पद - संख्या वाचक

दूसरा पद - संज्ञा

उदाहरण - चार राहों का समूह

पंचवटी - पांच वृक्षों का समूह

द्वन्द्वसमास -

दोनों पद समान होते हैं |

उदाहरण - माता - पिता, दिन - रात, सुख – दु:ख

कर्मधारय -

पहला पद - विशेषण अर्थात उपमान

दूसरा पद - विशेष्य अर्थात उपमेय

OBLYPREPS

उदाहरण -

नीलगाय - नीली है जो गाय

नील -उपमान/विशेषण

गाय - उपमेय /विशेष्य

पीताम्बर - पीला है जो वस्त्र

वहुब्रीह समास -

जिस समस्त पद में पहला और दूसरा पद प्रधान न होकर कोई तीसरा पद प्रधान होता है

उदाहरण -

लम्बोदर - लम्बा है| उदर जिसका अर्थात **गणेश**

नीलकंठ - नीला है | कंठ जिसका अर्थात **शिव**

चक्रपाणि - चक्र है | हाथ जिसके अर्थात **विष्णु**

Visit on:-https://youtu.be/D4sQUmSNPzg

समास संक्षिप्तीकरण

OBLYPREPS

Sharing Is Caring

If you found it useful, don't forget to share your friends.

OBLYPREPS

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"